

सम्पादकीय

एक वैशिक छात्र का दृष्टिकोण : शिक्षा व छात्रों पर प्रभाव

यह लेख एक सामाजिक वैज्ञानिक के रूप में मेरा पहला प्रयास है कि भारत के झारखंड राज्य में शिक्षा, छात्रों और इसके विकास के क्षेत्र में कदम रखूँ, जहां से मैं आता हूँ। झारखंड, जंगलों की भूमि है, जहां शक्तिशाली दामोदर नदी बहती है और प्रचुर मात्रा में कोयले और खनिजों के साथ इस भूमि को आशीर्वाद देती है। मैं 11वीं कक्षा का छात्र हूँ और मेरे पिता भारतीय वैदेश सेवा के अधिकारी हैं। मेरा जन्म रियाद में हुआ था, जहां मुझे मेरी मां ने शिक्षा मिली थी। मेरे पिता की पोस्टिंग फिलिस्तीन में हो गई और मेरी मां और मैं कुछ महीनों के लिए बिहार के एक छोटे से शहर भागलपुर में शिफ्ट हो गए। मेरे पिता एक कैरियर डिप्लोमैट और मां एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं। उनके नाते स्थान बदलना बहुत अनियोजित था। मैं खुद महसूस कर पा हा था मेरे माता-पिता ने मुझे भागलपुर के दूसरे प्ले स्कूल में भर्ती करा दिया। मैंने पहली बार देखा था कि कैसे जगह बदलने पर आधारभूत संरचना और बच्चे भी बदल जाते हैं। अपने आसपास की बदलती सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में मैं पहली बार महसूस कर पा रहा था। इसके अलावा हर बार एक स्कूल से दूसरे स्कूल, एक शहर से दूसरे शहर, एक देश से दूसरे देश और कभी-कभी एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में जाने पर होने वाले बदलावों को मैं बारीकी से देख और समझ पा रहा था। मैं फिलिस्तीन राज्य में राजधानी रामल्ला, फिर दिल्ली, फिर भूटान, त्रिनिदाद और टोबैगो में शिफ्ट होता रहा और अंत में मुझे ऑफ्र प्रदेश में अपने बोर्डिंग स्कूल ऋषि वैली में स्थायी निवास मिला। मैंने वहां कक्षा 8 से 10वीं तक पढ़ाई की और वर्तमान में महिंद्रा यूनाइटेड वर्ल्ड कॉलेज, पुणे में कक्षा 11 में हूँ। लगभग 16 साल की उम्र में हर बात की समझ आने लगी और मुझे एहसास हुआ कि शिक्षा के विभिन्न स्थानों और तरीकों से मेरे जीवन में कितना अंतर आया है और ऐसे विचारों में स्पष्टता आने से सोचने समझने की प्रक्रिया भी बेहतर होती रही। अपने गृहनगर झारखंड में अपने दादाजी से मिलने जाने के दौरान मैंने उच्च स्कूलों और जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को देखा और महसूस किया। इस यात्रा के दौरान विकास का प्रासंगिक अर्थ और धरातल पर उसकी मत्त्वाई से जुड़े कई विचार-विमर्श मेरे दिमाग में आए। बुनियादी ढांचे, प्रकृति और लोगों के अवलोकन से मुझे सीखने का मौका मिला जो शायद पाठ्य पुस्तकों से हासिल कर पाना संभव नहीं था। जवाहर नवोदय विद्यालय यह देख एक सामाजिक वैज्ञानिक के रूप में मेरा पहला प्रयास है कि मैं भारत के झारखंड राज्य में शिक्षा, छात्रों और इसके विकास के क्षेत्र में कदम रखूँ, जहां से मैं आता हूँ। झारखंड, जंगलों की भूमि है, जहां शक्तिशाली दामोदर नदी बहती है और प्रचुर मात्रा में कोयले और खनिजों के साथ इस भूमि को आशीर्वाद देती है। यहां की 40: आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। अपने शोषण के लिए मैंने अपने अध्ययन और समझ के लिए बोकारो और धनबाद में जीवन नवोदय विद्यालय (जेएनवी) को चुना। जेएनवी का चुनाव इसलिए किया गया क्योंकि मैं इसके मजबूत लोकाचार में विश्वास करता हूँ। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के अवसर के लिए उनके शहरी समकक्षों को मिलने वाले अवसरों और सुविधाओं के जैसे ही अवसर और सुविधाएं मुहैया कराने के सरकार के प्रयासों के प्रतीक हैं। इन विद्यालयों को नवोदय विद्यालय समिति, नोएडा द्वारा चलाया जाता है, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (डब्म) के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तहत एक स्वायत्त संगठन है। जेएनवी पूरी तरह से नवासीय और सह-शिक्षा वाले स्कूल हैं जो छाती से बारहवीं कक्ष तक केंद्रीय आधारिक शिक्षा बोर्ड के साथ संबद्ध हैं। शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति, 1986 के नारण आज देश के प्रत्येक जिले में जेएनवी हैं। जेएनवी के लिए प्रवेश प्रक्रिया नाफी कठिन है और सीबीएसई द्वारा ब्लॉक और जिला स्तर पर अखिल भारतीय स्तर पर वार्षिक रूप से आयोजित की जाती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्रामीण बच्चों को कोई नुकसान न हो, इस परीक्षा को वस्तुनिष्ठ और कलासन्यूट्रल के आधार पर डिजाइन किया गया है। ऐसे चुने जाते हैं विद्यार्थी नामित जिले के जेएनवी में कम से कम 75: सीटें ग्रामीण क्षेत्रों से चुने जाए उमीदवारों द्वारा भरी जाती हैं और शेष सीटें जिले के शहरी क्षेत्रों से भरी जाती हैं। इन विद्यालयों में जातिगत आक्षण नीति का पालन किया जाता है। देव्यांग बच्चों के लिए आक्षण का प्रावधान है और कुल सीटों में से कम से कम एक तिहाई सीटें लड़कियों द्वारा भरी जाती हैं। बोकारो और धनबाद जिलों के जेएनवी स्कूल का दौरा छात्रों, उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं उन्हें दी जाई शिक्षा को समझने और यहां के छात्र अपने जीवन में क्या बदलाव ला सकते हैं और जेएनवी के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव की गहरी समझ हासिल करने के लिए किया। एक प्रश्नावली वाले सर्वेक्षण की मदद से पंद्रह छात्रों, गोपन शिक्षकों और प्रत्येक स्कूल के प्रिसिपल का साक्षात्कार लिया गया। गाठवीं, नौवीं और ग्यारहवीं कक्ष के पांच ऐसे छात्रों जिन्होंने स्कूल में कम से कम दो साल बिताए हैं, का साक्षात्कार लिया ताकि एक अलग नमूना सेट किया जा सके। सर्वेक्षण प्रश्नावली के डेटा से पता चला कि 30: छात्र पहली गोड़ी के शिक्षार्थी थे, 18: के पास अभी भी अपने घरों में शौचालय, नहाने की सुविधा और टैप वाटर की सुविधा नहीं थी, 30: के पास घर में नहाने की सुविधा नहीं थी, 30: के पास टैप वाटर नहीं था और 50: से अधिक लोगों के पास उद्धृत पेयजल की सुविधा नहीं थी। बातचीत, साक्षात्कार और स्कूल में 2 दिन बीताने के बाद छात्रों के बारे में मेरा अवलोकन इस प्रकार था:- 1. छात्र एक दूसरे का, शिक्षकों का और अपनों से बड़ों का सम्मान करते हैं। वे हिंदी और गोपक-ठाक अंग्रेजी और बांगला में बातचीत करने में निपुण थे। वे आसानी से अश्वों को समझ रहे थे और खुद से उनके उत्तर तैयार करते थे। मैं यह देखकर अभीभूत था कि इनमें से अधिकांश छात्र अपने घरों में आदिवासी/क्षेत्रीय भाषाएं बोलते थे। छात्रों में उत्साह साफ नजर आ रहा था। 2. छात्र जेएनवी आने को एक "सुनहरा अवसर" या "जीवन में एक बार मिलने वाला ननुभव" मानते हैं और वे स्कूल में कराई जाने वाली लगभग सभी गतिविधियों जैसे- कला, नृत्य, संगीत, योग, शारीरिक प्रशिक्षण और सार्वजनिक मंच पर बोलना आदि में भाग लेकर इसका सर्वोत्तम उपयोग करने का प्रयास करते हैं। 3. छात्र जाति, रंग, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना एक-दूसरे के साथ बोल रहे थे और गतिविधियों में एक साथ भाग ले रहे थे। इसकी पुष्टि इस गृथ्य से की जा सकती है कि जब वे साक्षात्कार के लिए आए, तो वे खेल में मैदान या भोजन कक्ष में थे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो लेकिन उनकी मेत्रता हर जगह साफ नजर आ रही थी। सामाजिक राजनीति से दूर रहने पर, बच्चे विशेष रूप से आपस में कोई भेदभाव नहीं करते हैं। 4. कक्षाओं में छात्रों के लिए स्मार्ट बोर्ड और लैपटॉप और प्रोजेक्टर थे। उनके पास स्कूल में माइक्रोस्कोप और प्रयोगशाला उपकरण से लैस उच्च विद्यालय स्तर की प्रयोगशालाएं भी थीं। यहां एक शानदार पुस्तकालय था और वे हर दिन कम से कम डेंड घंटे एक साथ खेलते थे और इनके अध्ययन के घंटे निर्धारित थे। जेएनवी में छात्रों के पास सर्वोत्तम सुविधाएं हैं और वे अधिकतम उत्पादकता के लिए प्रेरित रहते हैं। 5. छात्र और शिक्षक के बीच मजबूत रिश्ता है और खुद को आपस में एक परिवार मानते हैं। उनका रिश्ता सिर्फ कक्षाओं तक सीमित नहीं है। शिक्षक, एक शिक्षक और मार्गदर्शक का कार्य करते हैं जो जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, कचरे के सुरक्षित निपटान, पानी की कमी और लोबल वार्मिंग जैसे वैश्विक संदर्भ दोनों में नतीजों से अवगत थे। वे इन मुद्दों से निपटने के लिए अपना अधिकतम प्रयास करने की कोशिश करते हैं। स्कूल में डेस्पोजेबल प्लास्टिक की वस्तुओं का लगभग कोई उपयोग नहीं होता है और घर पर भी ऐसा ही करने की कोशिश करते हैं।

सेठ एमआर जयपुरिया गोयल कैंपस सभागार में “भव्य सम्मान समारोह”

A photograph capturing a moment of recognition at what appears to be a school or college event. In the center, a man dressed in a light blue shirt and dark trousers is presenting a certificate to a young man wearing a white button-down shirt and blue jeans. The young man is smiling and looking towards the camera. To the right, a woman in a traditional yellow sari with a floral pattern is also smiling, her hands clasped in front of her. In the background, other individuals are visible, some holding papers, suggesting a formal ceremony. The setting is indoors with a large projection screen showing a map and text in the background.



**दबंगों ने ढहा दी महिला की दीवार :
पुलिस कप्तान ने कार्यवाही के दिये निर्देश**

निवासी महिला सरोज कुमारी पत्नी काली प्रसाद ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह अपनी भूमि गाटा संख्या 226 में अपना मकान बनवा रही है। गांव के ही रिखीराम, खुसीराम महंगू राम, अमन, दृगपाल एवं तुलापुर निवासी रमेश कुमार तिवारी और सोहनलाल निवासी सैदेख्यानपुर द्वारा मकान की दीवार को गिरा दिया है। शिकायतकर्ता महिला ने दिए गए शिकायती पत्र में बताया है कि रमेश कुमार तिवारी का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है और अब भारतीय किसान यूनियन का पदाधिकारी सदस्य बनकर उसी की आड़ में बनाता रहता है। पीडित महिला का आरोप है कि तहसील प्रशासन पर दबाव बनाकर उसके पति शाति भंग में चालान करवाते हुए एसडीएम माध्यम से जेल भिजवा दिया था। उधर पति के जेल जाने के बाद उपरोक्त लोगों द्वारा महिला की दीवार गिरा दी गई। महिला का आरोप है कि उपरोक्त लोगों के द्वारा बीते 22 की शाम करीब 7:30 बजे उसे और उसकी दो नाबालिग बेटियों को मारा पीटा गया है। स्थानीय पुलिस उपरोक्त दबंगों के प्रभाव में आकर मामले में उनके खिलाफ कोई भी कार्यवाही करने से कतरा रही है। पीडित महिला की व्यथा सुन एसएसपी ने मामले में तत्काल प्रभावी कार्रवाई के आदेश भी दे दिए हैं।

थानाध्यक्ष जीआरपी में तैनात आधा दर्जन कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल बने पलिस कर्मियों को दी बधाई

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव व्यूरो चीफ अयोध्या) थानाध्यक्ष जीआरपी अयोध्या कैंट सूर्य प्रकाश शुक्ला ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व चौकी पर तैनात आधा दर्जन कांस्टेबल की प्रोन्नति हेड कांस्टेबल पद पर होने पर उन्हें फित्ती लगातार उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।उन्होंने वहां पर तैनात कांस्टेबल सर्वेश कुमार पाल,अखिलेश कुमार यादव,शैलेंद्र कुमार,जय दयाल,मनोज कुमार तथा राम आशीष निषाद को प्रोन्नति होने पर मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दिया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी मंजिल वही प्राप्त करता है जिनके अंदर अनुशासन, लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता के साथ साथ



बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान पर झीमलैण्ड महोत्सव का आयोजन

को भी बच्चों के साथ समय व्यतीत करने का मौका मिलता है जो इस समय नितांत आवश्यक है बच्चों के अंदर तमाम तरह की प्रतिस्पर्धाओं का



सहनशीलता होती है। इस मौके पर थाना जीआरपी अयोध्या कैट के सभी पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

स्वच्छता सम्बंधित कार्यों का निरीक्षण करने के लिए नीदरलैंड से हरदोई आए दो सदस्य

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : डीसीएम श्रीराम प्रसाद सेना चाहल विजय



डीपीएम पुष्टेन्द्र सिंह साथ रहे। निरीक्षण के पश्चात नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी रविशंकर शुक्ल के साथ बैठक की गयी। बैठक के दौरान फिनिश टीम का पूर्ण सहयोग देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। अधिशासी अधिकारी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर विदेशी मेहमान का स्वागत किया गया।

**विज्ञान नगरी में समर वेकेशन हॉबी कैम्प का आयाजन :
पहले आओ पहले पायो के आधार पर हो रहे पंजीकरण**

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ : बच्चों की गर्भी की छुटिटयां होते ही अभिभावकों के सामने यक्ष प्रश्न होता है कि छुटिटयों मिल सके। वही विज्ञान अधिकारी कार्तिकेय चटर्जी ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रथम शिविर में सत्तर से अधिक बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं। दूसरा अभिरूचि शिविर उन्नीस मई को व तीसरा शिविर पांच जून 2023 से आयोजित किया जायेगा। सीटे सीमित होने के कारण पहले



कर वैज्ञानिक अभिरुचि वाले साइंटिफिक टॉय मेकिंग, एस्ट्रोलैब, फन विद इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिक्स जैसे छ: विषयों में भाग ले सकते हैं। जहां विज्ञान नगरी द्वारा उपलब्ध कराये गये उपकरणों व सामानों से बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना सिखाया जाता है। विज्ञान अधिकारी रामकुमार ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों को उनकी रचनात्मक प्रतिभा को पोषित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है और उन्हें नवीन विज्ञान परियोजनाओं को बनाने में प्रशिक्षित करना है। पूरे पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है ताकि उन्हें अपने स्कूल के पाठ्यक्रम में भी मदद मिल सके। आज प्रथम दिवस में सभी प्रतिभागियों को शिविर के बारे में समुचित परिचय दिया गया और शिविर से सम्बन्धित सामग्री प्रदान की गई। प्रतिभागियों के लिए 'सुपर कूल शो' पर एक रोमांचक विज्ञान प्रदर्शन आयोजित किया गया तथा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में पहले दिन के प्रोजेक्ट्स भी पूर्ण किए गये। सभी बच्चे अपनी प्रतिभागिता को लेकर अति उत्साहित दिखे। इस सम्बन्ध में विद्यार्थीयों को यह भी अवगत करना है कि दूसरे एवं तीसरे शिविर हेतु पंजीकरण चालू हैं जो कि क्रमशः 29 मई 2023 और 5 जून 2023 से आयोजित किया जायेंगे तथा केवल कुछ ही सीटें शेष हैं। उपरोक्त शिविरों में भाग लेने के इच्छुक छात्र आंचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ में पंजीकरण हेतु सीधा संपर्क कर सकते हैं। चूंकि शिविरों में सीटें सीमित हैं, प्रविष्टियां पहले पाओं के आधार पर पंजीकरण फॉर्म दिये जायेंगे।

महासंपर्क अभियान और कार्यकर्ताओं के दम से जीतेंगे 2024 —राम बहादुर सिंह

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सकरेना : आज हरियावं मंडल की भाजपा महासंपर्क अभियान की बैठक ब्लॉक सभागार हरियावं में हुई। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा /पीसीएफ डायरेक्टर राम बहादुर सिंह रहे स कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने पं० दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। राम बहादुर ने कहा, प्रसादांक अधिकारी 21 जून से 20

जून तक है। जिसमें 20 जून तक प्रबुद्ध, व्यापारी, मोर्चा के सम्मेलन लोकसभा क्षेत्र स्तर पर होंगे। इसके बाद 21 से 30 जून तक सभी बूथों की बैठक चलेंगी। 21 जून को योग शिविर और 25 जून को मन की बात कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर पर शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष राम प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि सहित सभी कार्यकर्ताओं का शुभारंभ किया। ऐसा का संचालन जिला सह संयोजक आयुषोष बाजपेयी आजाद ने किया। इस मौके पर जिला मंत्री मीना वर्मा, जिला कार्य समिति सदस्य /पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष पांडेय, कवि सतीश शुक्ला, मुनेंद्र सिंह, पूर्व जिला महामंत्री रणवीर सिंह, मंडल महामंत्री इंद्रेश मिश्रा, प्रमोद सिंह, पुनीत पांडे, निशांत सिंह, नितिन कुमार, रतिराम, मनोज राठौर, रजत सिंह, अशवनी त्रिपाठी, प्रसाद व वीरेनी प्रसाद और उन्हें

**यूपी के सभी मेडिकल संस्थानों में खुलेगा
इमरजेंसी मेडिसिन विभाग : आदेश जारी**

लखनऊ ब्यूरो : सरकारी में इमरजेंसी मेडिसिन विभाग खोलने की कवायद तेज कर दी है। डिप्टी सीएम के निर्देश पर प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने 23 मई को आदेश जारी कर दिया है। जल्द मिलेगा सटीक इलाज उप मरव्यमंत्री



के रूप में मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर नगर पालिका परिषद उपस्थित रही। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव सभासद विधिन सिंह, सरोज श्रीवास्तव आदि लोगों उपस्थित रहे। महोत्सव के मैनेजर शिव शंकर सिंह ने बताया कि इसमें मुख्य आर्कषण का केन्द्र दुबई सिटी थीम पार्क है। न दुबई जाना जब दुबई सिटी आफ शहर जौनपुर में ही आपको परिवार समेत आर्पित कर रही है। साथ ही विदेशी झूले के साथ दो माह के लिये यहाँ पर ज्वाइन्ट फ्लील झुला, सिलाम्बा झुला, वेडा झुला, आक्टोपस झुला, नाव वाला झुला स्टेटिंग कार झुला पहली बार डबल डिस्क झुला के साथ जपानी चिल्ड्रेन पार्क लगाया गया है। जिसमें बोन्सी, भूतबंगल हाथी जीपकार, घुम, बतरत आदि दर्जनों छोटे बड़े झूलों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही लजीज व्यंजन भी यहाँ उपलब्ध है जिसमें खासकर दिल्ली के छोले भट्टूरे बम्बई की भेलपुरी, चाउमीन व चाट आदि के स्टाल लगाये गये हैं। है। देश

ये लेखक के अपने विचार हैं।

**पुरानी रंजिश में फरसा से किया हमला
: पति-पत्नी समेत पांच नामजद**

अयोध्या। (राजेश श्रीवास्तव व्यूरो चीफ अयोध्या) पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कंदैला गांव में पुरानी रंजिश को लेकर कों लेकर हमले और छेदछाड़ के मामले में पुलिस ने पति-पत्नी समेत पांच के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है। फरसा से घायल शख्स को उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। बताया गया कि पीड़ित गांव निवासी शत्रोहन पुत्र राम प्रसाद का कहना है कि 21 मई को सुबह लगभग 8 बजे वह बाइक से बाजार

जा रहा था, इसी दौरान घर के पास मौजूद छेदन, उनकी पत्नी शिवकुमारी तथा पुत्रों राम बहादुर व जान बहादुर और तीन अन्य अज्ञात ने फरसा—लाठी डंडे हुई से लैस होकर हमला बोल दिया। जान बचाने के लिए वह अपने घर में भागा और दरवाजा बंद कर लिया तो हमलावरों दरवाजा तोड़ घर में घुस आये और लकड़ी की आबरू पर हमला बोल कपड़े फाड़ दिए तथा मारा—पीटा। पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। फरसे से हमले में शत्रोंहन का हाथ घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल से लखनऊ रिफर किया गया है। पूराकलंदर पुलिस का कहना कि शिकायत पर बलवा, मारपीट, गाली—गलौच, धमकी, गंभीर रूप से घायल करने, आबरू पर हमला आदि की धारा में केस दर्ज कर छानबीन कराई जा रही है।

अंतिम संस्कार में शामिल होने आ रहे यात्री हुए सड़क हादसे का शिकार : दो की मौत : एक दर्जन यात्री घायल

में चल रहा है। वहीं घायलों में 2 यात्रियों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मालूम हो कि दुर्जनपुर चौराहा गोंडा से अयोध्या घाट पर अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एक वाहन से सवार होकर लोग अयोध्या बस्ती नेशनल हाईवे से आ रहे थे। जहां नेशनल हाईवे स्थित ड्रीमलैंड के पास ओवरट्रैक करने की कोशिश में पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने उक्त वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वाहन पलट गया और सभी यात्री चपेट में आ गए। इस दौरान दुर्जनपुर निवासी शिवकुमार और विक्रम चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रामू चौहान और रागे चौहान की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज अयोध्या ट्रामा सेंटर में चल रहा है। वहीं अन्य 11 यात्रियों को भी कुछ चोटें आई हैं। जिन्हें श्री राम अस्पताल में भर्ती किया गया है।

04 जून 2023 से होगी पीएचडी की प्रवेश परीक्षा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव व्यूरो चीफ अयोध्या) डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 04 जून, 2023 प्रातः 10 से 12 बजे होगी। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए छह परीक्षा केन्द्र बनाए गए। इन केन्द्रों पर 37 विषयों में 1767 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसके लिए छह केन्द्राध्यक्ष के साथ 09 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो० फारुख जमाल ने बताया कि प्रवेश परीक्षा की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। विश्वविद्यालय में छह परीक्षा केन्द्रों जिसमें अर्थस्त्र एवं ग्रामीण विकास, भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, गाणित एवं सांख्यिकी विभाग, शिक्षा संकाय विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन में 37 विषयों की प्रवेश परीक्षा कराई जायेगी। जिसमें कुल 1767 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रवेश परीक्षा प्रातः 10 बजे से 12 तक होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए विश्वविद्यालय की साइट पर जाकर प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा के दिन प्रवेश-पत्र के साथ एक पहचान-पत्र पास रखना होगा। इसके अतिरिक्त

डिजीटल युग में कंटेंट किंग है –डॉ० विजयेन्द्र चतुर्वदी

प्रसार में कमी देखी जा रही है। क्योंकि पाठक अखबार को सहेजना नहीं चाहता है। इसके लिए ऑनलाइन संस्करण देखना चाहता है, जो उसके पहुँच में है। कार्यक्रम में डॉ शहयाज ने कहा कि डिजीटल मीडिया में कम्यूनिकेशन स्किल का बड़ा महत्व है। इसके लिए विद्यार्थियों को पुस्तकों का अध्ययन करते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता को विकसित करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि वर्तमान डिजीटल युग में कंटेंट किंग है। इसमें महारत हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम के साथ अपने विचारों को रखना होगा। डिजीटल मीडिया में विद्यार्थियों के लिए रोजगार की काफी संभावना है। इसके लिए विद्यार्थियों को स्किल्स के साथ कंटेंट की समक्ष विकसित करना होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आईसीएन अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया ग्रुप की संपादक कौशर खान ने छात्रों को बताया कि डिजीटल मीडिया में आने वाला एक नियमित उपाय है।

तहसील क्षेत्र में जगह जगह जेष्ठ माह के तृतीय
मंगलवार के उपलक्ष में भव्य भंडारा सम्पन्न

अयोध्या । (राजेश श्रीवास्तव व्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या जनपद के विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर अंतर्गत हैरिंगटनगंज व समस्त तहसील क्षेत्र में जगह जगह जेष्ठ माह के तृतीय मंगलवार के उपलक्ष में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया आपको बता दें कि यह कार्यक्रम हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी जेष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार को प्रभु श्री राम के भक्त हनुमान जी को समर्पित उनके भक्तों द्वारा जगह-जगह पंडाल लगाकर शरबत का वितरण किया जाता है वही पूड़ी सब्जी छोला चावल वह हलवे का वितरण प्रसाद के रूप में किया जाता है जिसे पवन पुत्र हनुमान के भक्तों द्वारा आने जाने वाले राहगीरों को प्रसाद खिलाकर अपने जीवन में खुशहाली व समृद्धि की कामना करते हैं यह कार्यक्रम आज हैरिंगटनगंज बाजार, रेवती गंज बाजार, पलिया चौराहा, सिंधौरा मोड़, रामगंज बाजार, खड़भड़िया चौराहा, मिल्कीपुर, कुचेरा बाजार, बारुन बाजार, शाहगंज, आदि सैकड़ों जगह प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया गया ।

**बेहाल गर्मी में अयोध्या नगर निगम की पानी और साफ
आफाई की व्यावस्था चरमपर्याप्त – उग्राम कष्टा श्रीतारुदत**

पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है लोग पीने के पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं मुख्य सड़क और गलियां जगह-जगह खुदी होने के कारण बच्चों और राहगीरों का चलना दूभर हो गया है और लोग चोटिल हो रहे हैं सफाई कर्मी अब गलियों में आना बंद कर दिए हैं जिससे सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और नालियां बज बजा रही हैं और गंदगी फैल रही है लेकिन नगर निगम हाथ पर हाथ रखकर बैठा है नगर निगम के नई चुनी हुई बोर्ड का शपथ ग्रहण नहीं हुआ है लेकिन जनता ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप दी है सपा महानगर अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित मेयर महत गिरीश त्रिपाठी से मांग करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण होता रहेगा आप तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए सफाई और पेयजल व्यवस्था बहाल कराएं।

म आन स पूरा दुकान क साथ सामान जलकर राख हा गया।

आवाव का आयकर से वापस होगी 57 करोड़ की धनराशि

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव व्यूरो चीफ अयोध्या) डॉ. राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय का 2018 में आयकर विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के खाते से 45 करोड़ 79 लाख 92 हजार 562 रुपये कर के रूप में काट लिए गए थे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के सदप्रयासों से उक्त धनराशि अब विश्वविद्यालय को वापस मिलेगी। विश्वविद्यालय को उक्त धनराशि ब्याज सहित करीब 57 करोड़ रुपये वापस मिलेगा। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय का उक्त प्रकरण निर्धारण वर्ष 2013-14 का था विश्वविद्यालय की अपील याचिका आयकर विभाग द्वारा खारिज कर दी गई थी। 26 जुलाई, 2022 को निर्णय के विरुद्ध अपील की गई जिसके फलस्वरूप 14 नवम्बर को प्रकरण लखनऊ स्थान्तरित कराते हुए प्रभावी पैरवी के परिणाम रूपरूप 19 मई, 2023 को आरोपित आयकर शून्य करार दिया गया एवं समस्त धनराशि विश्वविद्यालय को वापस कराने के पक्ष में आदेश पारित किया गया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पुर्णेन्दू शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय का उक्त प्रकरण वर्ष 2013-14 का है। आयकर विभाग द्वारा 05 अप्रैल, 2018 को 20 करोड़ 3 लाख 92 हजार 562 एसबीआई से एवं 11 अप्रैल, 2018 को 25 करोड़ 76 लाख सीबीआई से आयकर द्वारा कर के रूप में ले लिया गया था। आयकर अपीलीय अधिकरण लखनऊ द्वारा विश्वविद्यालय को समस्त धनराशि ब्याज सहित वापस किए जाने का आदेश पारित किया है। जो वर्तमान में सीपीसी बैगलोर को प्रक्रिया हेतु प्रेषित किया गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० गोयल एवं वित्त अधिकारी के सदप्रयासों से विश्वविद्यालय के शिक्षकां, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

नाबालिक लड़की का अपहरण करके उसके साथ दुष्कर्म करने वाले दो अभियुक्त गिरफतार

A photograph showing two police officers in uniform standing on either side of two young men who appear to be arrested. The officers are wearing khaki uniforms with caps and belts. The two men are dressed casually in t-shirts and jeans. They are positioned in front of a white building with arched doorways. A large blue sign on the building's facade reads "कोतवाली नगर अयोध्या". Above the main entrance, there is a smaller sign for "CEMENT". To the left of the entrance, there is a sign for "A आजा हेल्प". The ground is paved, and some greenery is visible to the left.

**शारीरिक फिटनेस बनाने के लिये सीओ
लाइन ने पुलिस कर्मियों के साथ लगाई दौड़**

तव गया। उन्होंने वहां पर मौजूद सुरक्षा हेतु मशीन, वाहन आदि उपकरण के सही ढंग से रखा। रखाव आदि कार्य हेतु संबंधित प्रभारियों को



पर का का ओ स निर्देशित किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में स्थित कैण्टीन, भोजनालय, बैरिक, स्टोर, क्वार्टर गार्ड, परिवहन शाखा व नवनिर्मित आवासीय बिल्डिंग का निरीक्षण कर रजिस्टर के रख रखावा

सम्पादक मंडल

दापचन्द्र माय (एडवाकट), श्री सुभाष चन्द्र सठ, श्री ऋषकेश
द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय— हिन्दी साप्ताहिक "देश की उपासना"
पता—ई 3464, राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ०प्र०

लखनऊ सम्पादक— श्रा पा०सा०श्रीवास्तव मा० 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापur.

जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो-०-७००७४१५८०८.९६२८३२५५४२.९४१५०३४००२

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com